आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 102 | उज्जैन, मंगलवार 04 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

राष्ट्र निर्माण में संतों और गुरूओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री सीहोर के कुबेरेश्वर में रुद्राक्ष महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीवन-मृत्यु व्यक्ति के हाथ में नहीं है, लेकिन संत लोगों को धर्म की राह दिखाकर सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर उनके जीवन को सार्थक बनाते हैं। सांस्कृतिक, धार्मिक मूल्यों की स्थापना तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में संतों और गुरुओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज कुबेरेश्वर धाम सीहोर में आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव में शामिल होकर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पं. प्रदीप मिश्रा जी लोगों में ईश्वर के प्रति आस्था और भक्ति जागृत कर लोगों का धार्मिक, आध्यात्मिक उत्थान कर रहे है। उन्होंने कहा कि पं. मिश्रा ने भोपाल के निकट सीहोर में कुबेरेश्वर धाम की स्थापना कर इस क्षेत्र को एक नई धार्मिक पहचान दी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सौ से अधिक देशों में भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और सबसे बड़े देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज कुंभ में गगा स्नान कर देश की सनातन संस्कृति के प्रति देशवासियों की अटूट आस्था का संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार को सभी संतो का मार्गदर्शन मिला है। समय-समय पर हम और हमारी सरकार उनसे कई अवसरों पर विचार-विमर्श भी करती है। संतो से हमें सरकार चलाने का नैतिक बल मिलता है जिससे हम अधिक मजबूती के साथ प्रदेश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने संपूर्ण प्रदेश में गौ-शालाओं का निर्माण किया है और गौ-शालाओं में गौ-माता के लिए बेहतर परिवेश उपलब्ध करा रहे हैं।

कश्मीर मुद्दे पर PAK को सबसे बड़ी पटखनी देने की तैयारी, इस बड़े मुस्लिम देश को अपने पाले में लाने में जुटा भारत

ईरान को अपने पाले में लाने की कोशिश - दरअसल, कुछ दिन पहले ही ईरान के सुप्रीम काउंसिल फॉर कल्चरल रिवॉल्यूशन के सेक्रेटरी अब्दुल हुसैन खोसरो पाना भारत आए थे। इस दौरे पर उन्होंने कई बैठकों में हिस्सा लिया और सरकार के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

इस मुलाकात को भारत का सबसे बड़ा कूटनीतिक प्रयास माना जा रहा है। भारत इस कोशिश में है कि वो ईरान का स्टैंड कश्मीर मुद्दे पर बदल दे।

अब्दुल हुसैन खोसरो को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई का करीबी माना जाता है। पिछले साल ही खामेनेई ने भारत के खिलाफ बयान दिया था और कहा था कि कश्मीर में मुस्लिमों के हाल ठीक नहीं है।

पाकिस्तान अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर राग अलापता रहा है। इस मुद्दे पर वो दूसरे देशों का साथ मांगता रहा है। इसके लिए कई बार वो मुस्लिम देशों को एकजुट करने की कोशिश में लगा रहा है। अब भारत ने बड़ी कूटनीति दिखाते हुए पाक के इसी कुनबे को तोड़ने की तैयारी कर ली है।

दरअसल, पाक कई बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर तुर्की, ईरान, मलेशिया जैसे देशों से कश्मीर मुद्दे को उठाता रहा है। अब भारत ने लॉबिंग तोड़ने की तैयारी कर ली है।

नौ दिन बाद भी नहीं निकल पाए तेलंगाना सुरंग हादसे में फंसे लोग, जानें कहां आ रही है समस्या

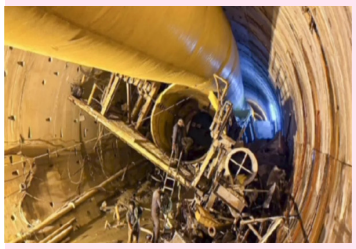

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना सुरंग हादसे में पिछले नौ दिनों से फंसे आठ लोगों को अभी तक सुरक्षित निकालना संभव नहीं हो पाया है। घटनास्थल से गाद हटाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं और बचाव कर्मियों एवं उपकरणों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

बचाव कार्य अंतिम चरण में है, लेकिन लगातार पानी का रिसाव एक बड़ी बाधा बना हुआ है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे लोगों के सटीक स्थान की अभी तक कोई जानकारी नहीं है। सरकार बचाव अभियान में तेजी लाने के प्रयास कर रही है।

रविवार को उन्होंने दुर्घटना स्थल का दौरा किया। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त कन्वेयर बेल्ट की मरम्मत के बाद बचाव अभियान में तेजी आएगी। गाद ले जाने में मदद करने वाली कन्वेयर बेल्ट के सोमवार तक ठीक हो जाने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, बचाव कर्मी इस बात को पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं कि सुरंग के अंदर लोग और मशीन कहां फंसी हैं। उनके पास प्रारंभिक अनुमान है, लेकिन पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

कंज्यूमर फोरम का नया टूल, AI की मदद से बढ़ाएगा कस्टमर की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर है। जहां एक तरफ यह लोगों की जिंदगी आसान कर रहा है तो वहीं विशेषज्ञ भविष्य में इसके खतरों को लेकर आगाह भी कर रहे हैं। भारत में भी बड़ी संख्या में एआई यूजर हैं। यहां अब एआई का इस्तेमाल लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए किया जा रहा है।

कस्टमर सर्विस से लेकर पब्लिक पॉलिसी तक एआई चैटबॉट कई पारंपरिक क्षेत्रों को स्मार्ट बना रहे हैं। सवाल कैसे आइए उपभोक्ताओं की समस्याओं के आंकड़े से आपको बताते हैं। एआई के जरिये संचालित प्लेटफॉर्म ने शिकायतों की संख्या में दस गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है।

उपभोक्ता की समस्याएं सुलझाने वाले एआई चैटबॉट पर अब आईआईटी बॉम्बे और एनएलएसआईयू बेंगलुरु भी काम कर रहे हैं।

आईआईटी बॉम्बे और एनएलएसआईयू ने मेटा (फेसबुक) के लार्ज लैंग्वेज मॉडल लामा 3.1 की मदद से एक नया चैटबॉट ग्राहक न्याय बनाया है।

जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन एआई) पर आधारित यह चैटबॉट शिकायत दर्ज कराने में मदद तो करता ही है। साथ ही यह शिकायतकर्ता के लिए कानूनी दस्तावेज, नोटिस और आवेदन तैयार कराने में भी मदद करता है।

कितने समय में तैयार हुआ- उपभोक्ता मंत्रालय अभी उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने और उनको समाधान देने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है। इसका असर यह हुआ है कि डिजिटल शिकायतों की संख्या बढ़ गई।

सेप्सिस ले रहा शिशुओं की जान, एंटीबायोटिक दवाएं भी बेअसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जिला अस्पतालों में बहु दवा प्रतिरोधी (एमडीआर) जीवाणुओं का संक्रमण शिशुओं में सेप्सिस का बड़ा कारण बन रहा है। एम्स द्वारा किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि जिला अस्तपालों के एसएनसीयू (स्पेशल नियोनेटल न्यू बार्ड केयर यूनिट) में भर्ती 3.2 प्रतिशत शिशु सेप्सिस संक्रमण से पीड़ित होते हैं। 36.6 प्रतिशत शिशुओं की मौत हो जाती है।

सेप्सिस होने का बड़ा कारण (एमडीआर) जीवाणुओं का संक्रमण है, जिसके इलाज में एंटीबायोटिक दवाएं भी बेअसर पाई गईं। सेप्सिस एक जानलेवा स्थिति है। यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल द लांसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में शामिल डॉक्टरों ने जिला अस्पतालों में दवा प्रतिरोधी संक्रमण की रोकथाम के उपाय करने और एंटीबायोटिक दवाओं का सही इस्तेमाल को बढ़ावा दिए जाने की सिफारिश की है।

एम्स के पीडियाट्रिक विभाग के नियोनेटोलॉजी के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. जीवा शंकर ने बताया कि बड़े अस्पतालों में शिशुओं में सेप्सिस संक्रमण को लेकर पहले अध्ययन हुए हैं लेकिन जिला अस्पतालों में इस तरह का अध्ययन नहीं हुआ था। जिला अस्पतालों में शिशुओं में सेप्सिस संक्रमण की दर पता लाने के लिए यह अध्ययन किया गया। इसलिए देश के अलग-अलग हिस्सों के पांच जिला अस्पतालों में भर्ती 6,612 नवजात शिशुओं के ब्लड सैंपल लेकर बड़े अस्पतालों में ब्लड कल्चर जांच कराई गई।

एटीएम में घुसे नकाबपोश, 4 मिनट में उड़ा ले गए 30 लाख; पुलिस की टीमें तलाश में जुटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में एटीएम से लूट की ऐसी घटना सामने आई है, जिसके बारे में सुनकर हर कोई हैरान है। यहां एटीएम लूटने के लिए घुसे नकाबपोश बदमाश महज 4 मिनट के अंदर 30 लाख रुपये लेकर फरार हो गए।

पुलिस को शक है कि आरोपियों ने पहले भी किसी एटीएम को निशाना बनाने की कोशिश की है। अब उनकी तलाश की जा रही है। लेकिन पैसे लूटने की स्पीड ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

ट्रंप के टैरिफ वार के बाद एक्शन में मोदी सरकार, सभी बैठक रद कर अचानक US दौरे पर रवाना हुए केंद्रीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा शुरू की। दो सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ एलान के बाद उन्होंने अपनी ये यात्रा तय की है। अधिकारियों ने कहा कि पीयूष गोयल की यात्रा अचानक हुई, वे 8 मार्च तक पहले से तय बैठकों को रद करने के बाद रवाना हुए हैं। वह उद्योग मंत्री भी हैं।

भारत के व्यापार मंत्रालय ने टिप्पणी के लिए ईमेल किए गए अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। पिछले महीने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान, दोनों राष्ट्र 2025 तक व्यापार सौदे के पहले खंड पर काम करने के लिए सहमत हुए, जिसका लक्ष्य 2030 तक 500 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार करना है।

ऑटो से लेकर किसान क्षेत्र पर चिंता

भारत सहित व्यापारिक साझेदारों पर अप्रैल की शुरुआत से पारस्परिक शुल्क लगाने के ट्रम्प के प्रस्ताव से ऑटो से लेकर कृषि तक के क्षेत्रों में भारतीय निर्यातक चिंतित हैं, सिटी रिसर्च के विश्लेषकों का अनुमान है कि संभावित नुकसान लगभग 7 बिलियन डॉलर प्रति साल है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा- यात्रा के दौरान, पीयूष गोयल भारत पर उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ पर स्पष्टता की मांग करेंगे।

सरकारी सूत्रों में से एक ने कहा, टैरिफ को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए संभावित भारतीय रियायतों और व्यापार सौदे पर भी चर्चा कर सकते हैं।

भारत का अपने सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ व्यापारिक व्यापार जनवरी तक के दस महीनों में साल-दर-साल लगभग 8त्न बढ़कर 106 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, जिसमें भारत ने व्यापार अधिशेष बनाए रखा है।

विश्लेषकों का कहना है कि रसायन, धातु उत्पाद और आभूषण - इसके बाद ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य उत्पाद - संभावित अमेरिकी पारस्परिक शुल्कों के लिए सबसे कमजोर क्षेत्र हैं।

कनाडा ने बदले वीजा नियम, इन गलतियों पर रद होगा वर्क और स्टडी परमिट; लाखों भारतीय छात्र होंगे प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा ने वीजा से जुड़े नियमों को सख्त कर दिया है। इसका असर लाखों भारतीयों पर पड़ेगा। खासकर कनाडा जाने वाले भारतीय छात्रों पर। नए नियम लागू होने के बाद परमिट रद्द होने के मामले बढ़े हैं। कनाडा में पढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों में लगभग 35-40 प्रतिशत भारतीय हैं।

नए नियम के मुताबिक सीमा अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण और अस्थायी निवासी वीजा जैसे दस्तावेजों को रद्द करने का अधिकार दे दिया है। इसमें वर्क परमिट और छात्र वीजा शामिल है। कनाडा अवैध आव्रजन से निपटने की खातिर यह कदम उठा रहा है।

सीमा अधिकारियों को परमिट रद करने का अधिकार

कनाडा की सरकार ने सीमा सुरक्षा और आव्रजन अधिकारियों को अधिक शक्तियां दी हैं। अधिकारी किसी भी व्यक्ति का परमिट रद कर सकते हैं। नए नियमों के मुताबिक कनाडाई के आव्रजन और सीमा अधिकारी किसी भी शख्स के ईटीए, टीआरवी, वर्क और स्टडी परमिट को रद कर सकते हैं।

अगर अधिकारियों को लगता है कि निश्चित अवधि के बाद कोई शख्स कनाडा नहीं छोड़ेगा तो उनके पास परमिट को रद करने का अधिकार है। अगर किसी शख्स के दस्तावेज चोरी होने, खोने या नष्ट होने की भी स्थिति पर परमिट रद किया जा सकता है।

वर्क परमिट में आएगी दिक्कत- नए नियमों में यह भी कहा गया है कि वर्क और स्टडी वीजा से मना करने पर छात्रों के आव्रजन कागजात को रद कर दिया जाएगा। इसके अलावा अगर किसी छात्र का स्टडी परमिट रद कर दिया जाता है तो उसे पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्क परमिट हासिल करने में दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। कनाडा में चार लाख से अधिक भारतीय छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं।

कनाडा के नए आव्रजन नियमों का असर उन सभी लोगों पर पड़ेगा, जो वहां पढ़ाई करने, काम या रहने के उद्देश्य से जाते हैं। अधिकारी स्थायी निवास बनने और किसी शख्स के मौत के बाद भी परमिट को रद करने में सक्षम होंगे।

इजरायल बॉर्डर पर भारतीय की हत्या, जॉर्डन की सेना ने क्यों चलाई गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के रहने वाले एक व्यक्ति की इजरायल-जॉर्डन सीमा पर कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान केरल के थुंबा निवासी 47 वर्षीय एनी थॉमस गेब्रियल के रूप में हुई है। मृतक के रिश्तेदार ने उसके मौत की जानकारी दी है।

ईमेल के जरिए मौत की हुई पुष्टि- गेब्रियल के परिवार वालों ने रविवार को बताया कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास की तरफ से एक ईमेल मिला था, जिसमें गेब्रियल की मौत की पुष्टि हुई है।

गेब्रियल के रिश्तेदार ने बताया, हमें जॉर्डन में भारतीय दूतावास से उसकी मौत के बारे में एक ईमेल मिला, लेकिन उसके बाद कोई और

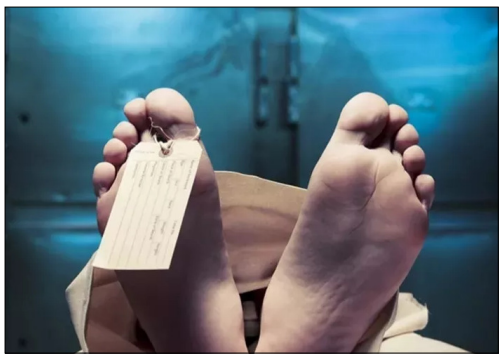

जानकारी नहीं मिली है।

बता दें, यह घटना 10 फरवरी की है, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की। परिवार के सूत्रों के अनुसार, गेब्रियल के साथ उसका एक रिश्तेदार एडिसन भी था, जिसके पैर में गोली लगी थी लेकिन वह बच गया और वह घायल अवस्था में घर लौट आया।

गेब्रियल के रिश्तेदारों ने क्या कहा- मृतक एनी थॉमस गेब्रियल के एक रिश्तेदार ने एक टीवी चैनल को बताया कि पांच फरवरी को जब वो घर से निकला था, तो तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कही थी।

टीवी की खबरों के अनुसार, गेब्रियल और एडिसन चार सदस्यीय समूह का हिस्सा थे, जो एक एजेंट की मदद से जॉर्डन से इजरायल की सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। चारों तीन माह के पर्यटक वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे।

जॉर्डन की सेना ने मारी गोली- जब वो लोग सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे, तो जॉर्डन की सेना ने उन्हें रोक लिया, लेकिन वो लोग भागने लगे तो सैनिकों ने उन पर गोलियां चला दीं। गेब्रियल को कथित तौर पर सिर में गोली लगी थी, जबकि एडिसन के पैर में चोट आई थी।

एडिसन को इलाज के बाद वापस भारत भेज दिया गया था। जब एडिसन वापस आया तो फिर परिवार वालों को पता चला कि गेब्रियल जॉर्डन गया था। रिश्तेदारों ने बताया कि दूतावास के माध्यम से उन्हें आधिकारिक तौर पर गेब्रियल की मौत की सूचना दी गई है।

अब ब्रिटेन में Tiktok पर शिकंजा, रेडिफ की भी शुरू हुई जांच

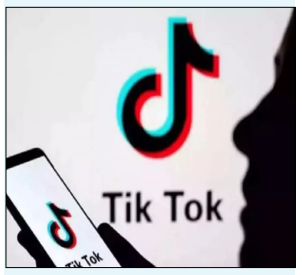

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन में एक के बाद एक ताबड़तोड़ फैसले लिए जा रहे हैं। इस बीच ब्रिटेन के प्राइवेसी वॉचडाग, सूचना आयुक्त कार्यालय ने इस बात की जांच शुरू की कि टिकटॉक, रेडिट और ऑनलाइन इमेज शेयरिंग वेबसाइट Imgur बच्चों की प्राइवेसी की सुरक्षा कैसे करते हैं।

सोशल मीडिया कंपनी कंटेट को प्राथमिकता देने और यूजर्स को जोड़े रखने के लिए एल्गोरिथम का इस्तेमाल करती है। हालांकि, फैक्ट यह है कि वे समान कंटेट को बढ़ाते हैं, जिससे बच्चों पर कंटेट की बढ़ती मात्रा का गलत प्रभाव पड़ सकता है।

रेडिट समेत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जांच- वॉचडाग ने कहा कि यह जांच कर रही है कि बाइटडांस का शॉर्ट-फॉर्म वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक अपने फीड में कंटेट का सुझाव देने के लिए 13-17 साल के बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल कैसे करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट और इमेजुर की जांच की जा रही है कि वे इस्तेमाल करने वाले बच्चे की उम्र का आकलन कैसे करते हैं।

राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दूंगा, मिनरल डील भी करूंगा, बस अमेरिका ये काम करे... जेलेंस्की ने ट्रंप से क्या की डिमांड?

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का अमेरिका दौरा काफी विवादास्पद रहा। ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग की दुनियाभर में चर्चा हो रही है।

इस घटना के बाद कलेक्टिव वेस्ट यानी सामूहिक पश्चिम में बिखराव की स्थिति पैदा हो गई है। एक तरफ जहां अमेरिकी की कोशिश है कि यूक्रेन किसी भी तरह रूस के साथ युद्ध विराम कर ले। वहीं, यूरोपीय देश जेलेंस्की के साथ खड़े हो गए हैं।

ट्रंप ने आरोप लगाया कि जेलेंस्की ने अमेरिका का अपमान किया। वहीं, युद्ध समाप्त न करके वो विश्व युद्ध 3 को आमंत्रित कर रहे हैं। ट्रंप से मुलाकात के कुछ दिनों बाद अमेरिका को लेकर जेलेंस्की के तेवर काफी नरम पड़ चुके हैं।

जेलेंस्की ने अमेरिका का जताया आभार - लंदन में रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद जेलेंस्की ने कहा, ऐसा कोई दिन नहीं रहा जब हमने अमेरिका के लिए कृतज्ञता महसूस न की हो।

शेख हसीना का हिसाब करेंगे मोहम्मद यूनुस! बांग्लादेश में हुए अत्याचारों की क्राइम कुंडली बनाने में जुटी सरकार

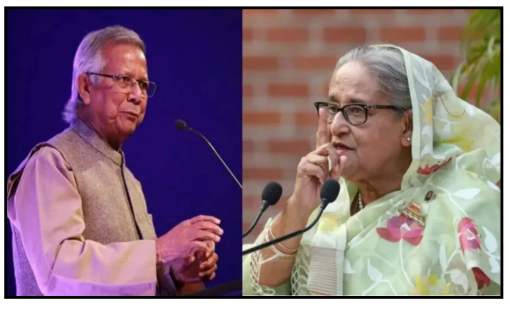

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने शेख हसीना के प्रशासन के तहत किए गए कथित अत्याचारों का दस्तावेजीकरण करने वाले रिकॉर्ड के सावधानीपूर्वक संरक्षण का आह्वान किया है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ रविवार की बैठक के दौरान, यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।

मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार ने संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ अपनी बातचीत के दौरान शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, डेलवर हुसैन सईदी फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और वर्षों की कथित न्यायेतर हत्याओं का हवाला दिया।

जवाब में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन का दस्तावेजीकरण करने में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। लुईस ने तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए कहा, यह उपचार और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है।

यूनुस ने जुलाई-अगस्त 2024 के विद्रोह के बाद मानवाधिकारों के उल्लंघन पर संगठन की हालिया तथ्य-खोज रिपोर्ट की भी सराहना की, जिसके कारण सत्ता से 15 साल के अवामी लीग शासन का अंत हुआ और हसीना भारत भाग गईं।

एलन मस्क बने 14वें बच्चे के पिता, कौन है मां? देखें Tesla के मालिक का फैमिली ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ और अरबपति कारोबारी एलन मस्क एक बार फिर पिता बने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये जानकारी सामने आई है कि वह अपने 14वें बच्चे के पिता बने हैं।

28 फरवरी 2025 को मस्क की पार्टनर और न्यूरालिंक की एक्जीक्यूटिव शिवोन जिलिस ने घोषणा की है कि उन्होंने अपने चौथे बच्चे, सेल्डन लाइकर्गस मस्क का स्वागत किया है। यह एलन मस्क की 14वीं ज्ञात संतान है।

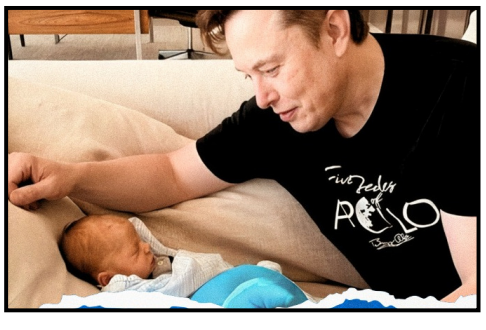

किससे हुई थी पहली शादी और कितने बच्चे हुए- गौरतलब है कि एलन मस्क अपनी बिजनेस वाली जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। मस्क की पहली शादी कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन से हुई थी। जब दोनों की मुलाकात हुई थी तो उस वक्त मस्क इतनी बड़ी हस्ती नहीं बने थे।

मस्क और जस्टिन विल्सन की मुलाकात कनाडा के ओन्टारियो में क्वींस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी और दोनों ने साल 2000 में शादी की थी। शादी आठ साल तक चलने के बाद 2008 में वो लोग अलग हो गए थे। साल 2002 में जस्टिन ने नेवादा अलेक्जेंडर मस्क को जन्म दिया था, जो एलन मस्क की पहली संतान थी।

यूरोप में साहस की कमी, 30 करोड़ अमेरिकियों से क्यों मांग रहे मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोपीय देशों की एकजुटता को और भी मजबूत करने व यूक्रेन की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन में सिक्योरिटी समिट का आयोजन किया गया। यूरोपीय नेताओं ने शिखर सम्मेलन में यूरोप की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और यूक्रेन को समर्थन का आश्वासन दिया। इस समिट में रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के समाधान पर भी चर्चा हुई।

पोलैंड के पीएम ने अमेरिका को लेकर क्या कहा- गौरतलब है कि सभी यूरोपीय देशों के नेताओं के बीच बैठक से पहले पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने एक ऐसी बात कह दी, जो अमेरिका को पसंद नहीं आने वाला।

उन्होंने कहा, यह एक विरोधाभास है कि 50 करोड़ यूरोप की जनता 30 करोड़ अमेरिकियों से गुहार लगा रही है कि वे 14 करोड़ रशियन से उनकी रक्षा करें। उन्होंने यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की स्थिति को एक दुविधा बताया और कहा, हमें इस दुविधा से उबरने की जरूरत है।

ओवल ऑफिस में ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई बहस- बता दें कि हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अमेरिका का दौरा किया था। वहां, उन्होंने ओवल ऑफिस (अमेरिका राष्ट्रपति कार्यालय) में डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान रूस-यूक्रेन मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। ट्रंप ने गुस्से में आकर इतना तक कह दिया कि राष्ट्रपति जेलेंस्की की जिद की वजह से विश्व युद्ध 3 की खतरा पैदा हो गया है।

कंटेंट हटाने से पहले यूजर को मिले जानकारी, सोशल मीडिया को लेकर सुप्रीम ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें सोशल मीडिया अकाउंट या सामग्री को यूजर या स्रोत को सुनवाई का अवसर दिए बिना ब्लॉक कर दिया जा रहा। दरअसल, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2009 के नियम 16 को रद्द करने की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा।

इसके साथ ही पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी किया। बता दें कि याचिकाकर्ता ने सॉफ्टवेटर फ्रीडम लॉ सेंटर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि सूचना के स्रोत को कोई नोटिस नहीं दिया गया और केवल एक्स जैसे प्लेटफॉर्म को ही नोटिस भेजा गया।

उन्होंने इस दौरान कहा कि चुनौती यह नहीं है कि सरकार के पास सूचना हटाने का अधिकार नहीं है, बल्कि सूचना हटाते समय उस व्यक्ति को नोटिस दिया जाना चाहिए जिसने उस सूचना को सार्वजनिक डोमेन में डाला है।

जानकारी दें कि अधिवक्ता पारस नाथ सिंह के माध्यम से दायर याचिका में 2009 के नियमों के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती दी गई है। इस याचिका में कहा गया कि सामग्री के स्रोत को ब्लॉकिंग अनुरोध नोटिस जारी करने को वैकल्पिक बनाकर, नियम 8 ने अधिकारियों को स्रोत को नोटिस जारी करने या न करने का अनियंत्रित विचार दिया है।

पीठ ने इस याचिका को लेकर शुरू में कहा कि कोई भी पीड़ित व्यक्ति इस मुद्दे पर अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है और कहा कि अगर व्यक्ति की पहचान की जा सकती है, तो नोटिस दिया जाएगा और अगर सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं की जा सकती है, तो मध्यस्थ को नोटिस दिया जाएगा।

कर्नाटक में बदल जाएगा मुख्यमंत्री? डीके शिवकुमार को सीएम बनाने की अटकलें तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सत्तारुढ़ कांग्रेस में अंदरुनी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। साल के अंत में होने वाले नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं ने डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के समर्थन किया है।

विधायक बसवराजू वी शिवगंगा ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिसंबर तक राज्य के मुख्यमंत्री बन जाएंगे। शिवगंगा ने जोर देकर कहा कि शिवकुमार इस साल दिसंबर से अगले 7.5 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में काम करेंगे, क्योंकि पार्टी यहां अगला विधानसभा चुनाव भी जीतने जा रही है।

उन्होंने कहा कि आप लोग इसे लिख लीजिए, यह दिसंबर तक हो जाएगा। अगर आप चाहें तो मैं आपको खून से भी लिखकर दे सकता हूं कि शिवकुमार दिसंबर तक मुख्यमंत्री बन जाएंगे।

वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने कहा कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को राज्य का मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि यह एक सुलझा हुआ मामला है।

अवैध संबंध का शक और पत्नी की कर दी हत्या, केरल में पति बना हैवान...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में एक हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पथानामथिट्टा जिले के कलंजूर गांव में एक व्यक्ति ने चाकू से दो लोगों की हत्या कर दी।

दरअसल, 32 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी पत्नी और उसके दोस्त को शक के आधार पर मौत के घाट उतार दिया। बैजू नाम के इस शख्स ने कथित तौर पर इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसे संदेह था कि दोनों का प्रेम-संबंध है।

बैजू ने कथित तौर पर अपनी पत्नी वैष्णवी और उनके पड़ोसी विष्णु (32) के बीच मैसेज पर हुई चैट देखी और इसी बात ने उसे भड़का दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, कल रात बैजू और वैष्णवी के बीच झगड़ा हुआ और उसने उस पर हमला करने की कोशिश की। वह बचने के लिए विष्णु के घर भागी और उसने उसका पीछा किया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। वैष्णवी की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बैजू ने विष्णु पर चाकू से हमला कर दिया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि स्थानीय कूडल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और बैजू को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस की एक टीम ने आज सुबह ही घटनास्थल का दौरा किया, जहां उन्हें खून ही खून मिला। पुलिस ने कहा कि ये अपराध की क्रूर प्रकृति को दर्शाता है।

रश्मिका मंदाना को सबक सिखाने की जरूरत, एक्ट्रेस पर भड़के कांग्रेस विधायक; बीजेपी ने भी दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस के विधायक रविकुमार गौड़ा गनीगा ने कहा कि एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने कन्नड़ भाषा का अपमान किया है और उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, कर्नाटक में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली रश्मिका मंदाना ने पिछले साल जब हमने उन्हें आमंत्रित किया था, तो उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में आने से इनकार कर दिया था।

कर्नाटक कांग्रेस के विधायक रविकुमार ने कहा, मेरा घर हैदराबाद में है, मुझे नहीं पता कि कर्नाटक कहां है और मेरे पास समय नहीं है। मैं नहीं आ सकती। हमारे एक विधायक मित्र ने उन्हें आमंत्रित करने के लिए 10-12 बार उनके घर का दौरा किया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया और कन्नड़ भाषा का भी अपमान किया, जबकि वे यहीं इंडस्ट्री में पली-बढ़ी हैं।

क्या हमें उन्हें सबक नहीं सिखाना चाहिए- भाजपा ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्ट्रेस की टिप्पणियों पर आपत्ति जताने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि विधायक रविकुमार गौड़ा को हर कीमत पर संविधान का सम्मान करना चाहिए। भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा, आप गुंडे को राहुल कांग्रेसी से अलग नहीं कर सकते।

संविधान का दुरूपयोग करने वाले @RahulGandhi की पार्टी के इस घमंडी और अतिरंजित सकर्नाटक विधायक एक एक्ट्रेस को सबक सिखाना चाहते हैं। मैं डीके शिवकुमार से कहना चाहता हूं कि वे संविधान पढ़ें।

कानून और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए- राजीव चंद्रशेखर ने आगे कहा, एक्ट्रेस सहित हर नागरिक के पास अधिकार हैं और अपने गुंडे MPA को न भूलें कि कानून और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना उनका दायित्व है। अगर उन्हें संविधान में सबक चाहिए, तो मैं/हम इस गुंडे को सिखाने में खुश होंगे - निःशुल्क - कभी भी, कहीं भी मुझे कॉल करें!

गुजरात के एसी पटेल कैसे बने पाकिस्तानी हुसैन? अमेरिका ने वापस भेजा तो पासपोर्ट से खुली पोल; तुरंत गिरफ्तार

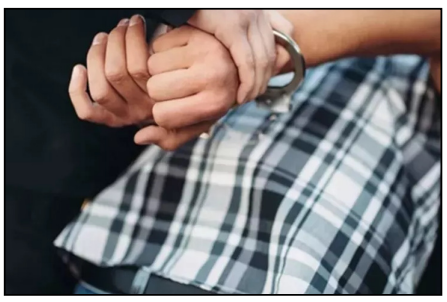

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के रहने वाले एसी पटेल अमेरिका में पाकिस्तान के मोहम्मद नजीर हुसैन बनकर पहुंचे थे। डोनाल्ड ट्रंप के शासन में आने के बाद वहां प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान छेड़ा। सैकड़ों भारतीयों को अमेरिका ने वापस भेजा।

आव्रजन नियमों में सख्ती के बाद एसी पटेल की पोल खुल गई। उनके पासपोर्ट पर मोहम्मद नजीर हुसैन लिखा था। अमेरिका अधिकारियों को शक हुआ। इसके बाद मामले की जांच में एसी पटेल की पोल खुली। 12 फरवरी को फ्लाइट संख्या AA-292 दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंची। इसी फ्लाइट से एसी पटेल को अमेरिकी अधिकारियों ने वापस भेजा था। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही एसी पटेल को दिल्ली पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी नहीं बल्कि असली है पासपोर्ट- रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय आव्रजन अधिकारियों को पासपोर्ट देखकर बेहद हैरानी हुई। दरअसल, यह मोहम्मद नजीर हुसैन के नाम पर बना कोई फर्जी पासपोर्ट नहीं था। बल्कि असली पासपोर्ट था। पटेल ने कबूल किया कि यह पाकिस्तानी नागरिक का खोया हुआ पासपोर्ट है। दिल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी और पासपोर्ट के दुरुपयोग का मामला दर्ज किया है।

एजेंट की मदद से मिले दस्तावेज- रिपोर्ट के मुताबिक एसी पटेल ने दुबई में एक एजेंट को पैसे दिए थे। ताकि उसकी नकली पहचान बनाई जा सके। एसी पटेल का असली पासपोर्ट 2016 में रद हो चुका है। इसके बाद उसने इसे रिन्यू नहीं कराया। एजेंट ने उसे फर्जी दस्तावेज मुहैया करवाने और दुबई के रास्ते अवैध यात्रा में मदद की। मगर उसकी यह तरकीब काम नहीं आई। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दूसरी बार शपथ ली थी। इसके बाद वह अमेरिका से लगातार अवैध प्रवासियों को निकालने में जुटे हैं। अभी तक चार फ्लाइट में कुल 344 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है।

आसानी से मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ, बिना लाइन में लगे OPD की पर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अलग-अलग योजनाओं को लेकर अलग-अलग कार्ड बनाए जाते हैं। इन दिनों भारत आभा कार्ड को लेकर काफी चर्चा में है, अब आपको आगे इसके बारे में विस्तार से बताते हैं। क्या है आभा कार्ड कैसे मिलता है इसका फायदा आइए जानते हैं।

आभा कार्ड आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत लॉन्च किया गया है। यानी यह एक तरह का हेल्थ कार्ड है। आभा कार्ड में 14 डिजिट का नंबर होता है। इस पर मेडिकल रिकॉर्ड और प्रिस्क्रिप्शन डिजिटली स्टोर कर सकते हैं।

आयुष्मान भारत योजना की सुविधाओं का उठा सकते लाभ- यह एक तरह से बाकी पहचान पत्रों के कार्ड के तरह ही काम करता है यानी की इस कार्ड के नंबर से आप आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाली सुविधाएं ले सकते हैं। इन्हें वेबसाइट या एप के जरिए कभी भी देख सकते हैं।

अब आपको बताते हैं, आभा आईडी कैसे बनाई जाती है।

नेशनल हेल्थ अथॉरिटी की वेबसाइट abha.abdm.gov.in पर जाएं।

होम पेज पर आपको क्रिएट आभा नंबर का ऑप्शन दिखेगा। इस पर क्लिक करें।

अपनी पहचान के सत्यापन के लिए आधार नंबर या ड्राइविंग लाइसेंस चुनें।

चयन के अनुसार आपसे आधार या मोबाइल नंबर मांगा जाएगा। इसे भरें।

ओटीपी दर्ज करें और सबमिट करें।

मांगी गई डिटेल भर दें। आईडी तैयार हो जाएगी।

आयुर्वेद व होम्योपैथी जैसी आयुष इलाज सुविधाओं में भी मान्य है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

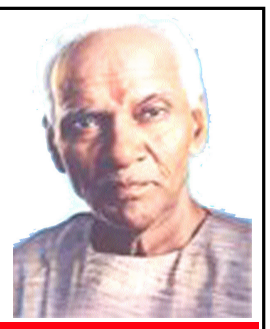

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

ट्रंप शासन आने के बाद दुनियाँ की परिस्थितियों में परिवर्तन हो रही है....

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि अमेरिका में ट्रंप शासन आने के बाद दुनियाँ की परिस्थितियों में परिवर्तन हो रही है, ट्रंप के अमेरिकी फर्स्ट के विज़न के कारण ट्रंप तेजी से ऐसी परिस्थितियों लाने को आतुर हैं, ताकि अमेरिका की आर्थिक स्थिति मजबूत हो, अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो, यूक्रेन की खनिज में हिस्सेदारी तथा रूस के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ाना, व्हाइट हाउस में ट्रंप जेलेंस्की विवाद इत्यादि इसी का ही एक हिस्सा माना जा सकता है, तो उधर 27 देश का संगठन यूरोपीय यूनियन, नाटो, तुर्की इत्यादि पूरी स्थिति को समझ रहे हैं, क्योंकि ईयू को पूरी प्रक्रिया में अलग- थलग किया जा रहा है, नतीजा यह है कि शुक्रवार 28 फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में ज़ेलेंसकी व ट्रंप की गहमागहमी के बाद जैलेंसकी जब सीधे ब्रिटेन लंदन पहुंचे तो उन्हें हाथों- हाथ लिया गया, ईयू नाटो तुर्की उसके साथ खड़े दिखे जबकि दो अन्य देश विरोध कर रहे थे। लंदन में यूरोपीय यूनियन देशों का यूक्रेन जंग मुद्दे पर डिफेंस समिट हुआ, जिसमें यूक्रेन की मदद की बात कीगई व अमेरिका को युद्ध समझौता प्लान देने पर बातचीत हुई। संयोगवश उसी दौरान यूरोपीय यूनियनकी अध्यक्ष 27-28 फरवरी 2025 को भारत दौरे पर थी, जहां विदेश मंत्री व पीएम से सफल चर्चा के बाद रूस ने तंज कसा कि यूरोप भारत की शरण में जा रहा है,यानें भारत का रुतबा बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है, ऐसा मेरा मानना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन, यूरोपीय देशों में मतभेदों के बीच यूरोपीय यूनियन अध्यक्ष भारत के साथ पींगे बढ़ाने को आतुर? रूस का तंज, भारत की शरण में पूरा यूरोप? जिससे भारत की अहम भूमिका हो गई है।

साथियों बात अगर हम यूरोपीय यूनियन के चर्चा में आने व यूक्रेन को समर्थन करने की करें तो जेलेंस्की के सपोर्ट में कई यूरोपीय देश यूरोप के कई नेताओं ने जेलेंस्की के लिए अपना समर्थन जताया है। नॉर्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, यूरोपीय यूनियन, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने भी जेलेंस्की के लिए समर्थन जताया।जेलेंस्की शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे थे। जहां दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। ट्रम्प-वेंस और जेलेंस्की एक-दूसरे की तरफ उंगली दिखाते नजर आए। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं।जेलेंस्की ने कहा कि जब आप युद्ध में होते हो, तो सबके साथ परेशानियां होती हैं।भविष्य में इस युद्ध का असर अमेरिका पर भी पड़ेगा।ट्रम्प यह सुनकर झुंझला गए और उन्होंने कहा कि हमें मत बताइए कि हमें क्या महसूस करना चाहिए। यूक्रेन जंग के मुद्दे पर यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट लंदन में हुई, इस बैठक में 15 देशों के राष्ट्र प्रमुख, तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो के महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट शामिल हुए। ब्रिटिश पीएम ने गले लगाकर जेलेंस्की का स्वागत किया ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने दो बार यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया। सबसे पहले उन्होंने जेलेंस्की के लंदन पहुंचने पर गले लगाकर उनका स्वागत किया, फिर डिफेंस समिट में जेलेंस्की के पहुंचने पर दूसरी बार गले लगाया।इससे पहले जब जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो सड़कों पर लोगों ने जेलेंस्की के सपोर्ट में जोरदार नारे लगाए। स्टार्मर ने उन्हें रिसीव किया और कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे।

लाला हरदयाल

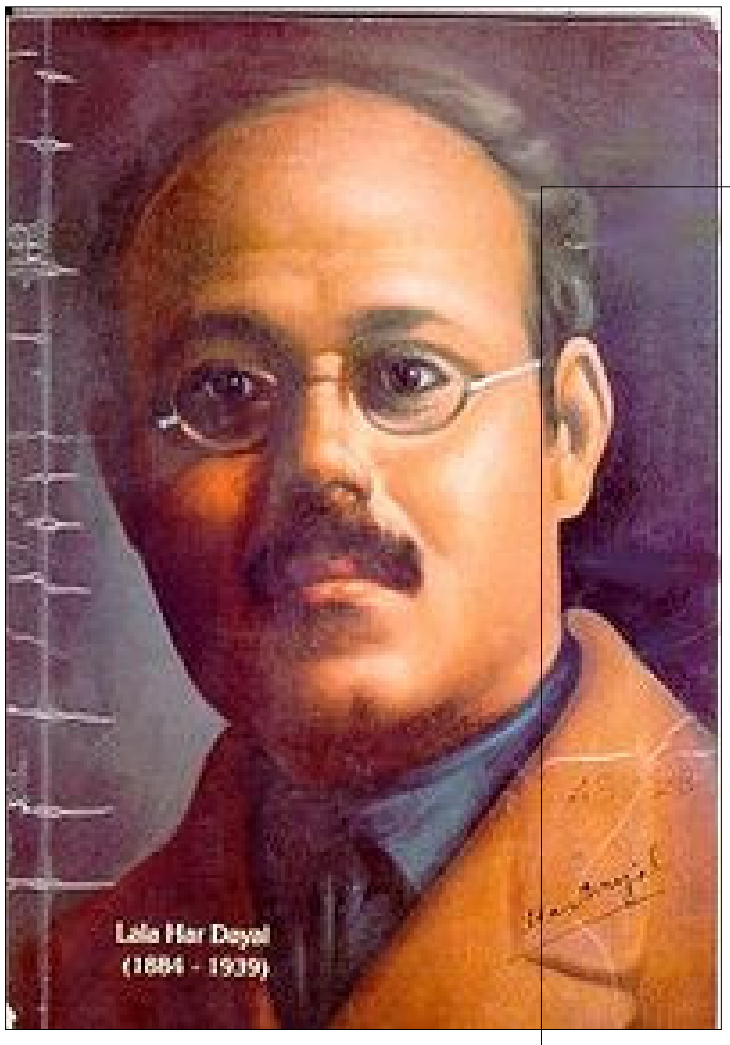

लाला हरदयाल प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे। लाला हरदयाल जी ने ग़दर पार्टी की स्थापना की थी। विदेशों में भटकते हुए अनेक कष्ट सहकर लाला हरदयाल जी ने देशभक्तों को भारत की आज़ादी के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित किया।

शिक्षा

लाला हरदयाल जी ने दिल्ली और लाहौर में उच्च शिक्षा प्राप्त की। देशभक्ति की भावना उनके अन्दर छात्र जीवन से ही भरी थी। मास्टर अमीर चन्द, भाई बाल मुकुन्द आदि के साथ उन्होंने दिल्ली में भी युवकों के एक दल का गठन किया था। लाहौर में उनके दल में लाला लाजपत राय जैसे युवक सम्मिलित थे। एम. ए. की परीक्षा में सम्मानपूर्ण स्थान पाने के कारण उन्हें पंजाब सरकार की छात्रवृत्ति मिली और वे अध्ययन के लिए लंदन चले गए।

पोलिटिकल मिशनरी

लंदन में लाला हरदयाल जी भाई परमानन्द, श्याम कृष्ण वर्मा आदि के सम्पर्क में आए। उन्हें अंग्रेज़ सरकार की छात्रवृत्ति पर शिक्षा प्राप्त करना स्वीकार नहीं था। उन्होंने श्याम कृष्ण वर्मा के सहयोग से 'पॉलिटिकल मिशनरी' नाम की एक संस्था बनाई। इसके द्वारा भारतीय विद्यार्थियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का प्रयत्न करते रहे। दो वर्ष उन्होंने लंदन के सेंट जोंस कॉलेज में बिताए और फिर भारत वापस आ गए।

सम्पादक

हरदयाल जी अपनी ससुराल पटियाला, दिल्ली होते हुए लाहौर पहुँचे और 'पंजाब' नामक अंग्रेज़ी पत्र के सम्पादक बन गए। उनका प्रभाव बढ़ता देखकर सरकारी हल्कों में जब उनकी गिरफ़्तारी की चर्चा होने लगी तो लाला लाजपत राय ने आग्रह करके उन्हें विदेश भेज दिया। वे पेरिस पहुँचे। श्याम कृष्णा वर्मा और भीकाजी कामा वहाँ पहले से ही थे। लाला हरदयाल ने वहाँ जाकर 'वन्दे मातरम्' और 'तलवार' नामक पत्रों का सम्पादन किया। 1910 ई. में हरदयाल सेनफ्रांसिस्को, अमेरिका पहुँचे। वहाँ उन्होंने भारत से गए मज़दूरों को संगठित किया। 'ग़दर' नामक पत्र निकाला।

ग़दर पार्टी की स्थापना 25 जून, 1913 ई. में की गई थी। पार्टी का जन्म अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एस्टोरिया में अंग्रेजी साम्राज्य को जड़ से उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से हुआ। ग़दर पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष सोहन सिंह भकना थे। इसके अतिरिक्त केसर सिंह थथगढ (उपाध्यक्ष), लाला हरदयाल (महामंत्री), लाला ठाकुरदास धुरी (संयुक्त सचिव) और पण्डित कांशीराम मदरोली (कोषाध्यक्ष) थे। 'ग़दर' नामक पत्र के आधार पर ही पार्टी का नाम भी 'ग़दर पार्टी' रखा गया था। 'ग़दर' पत्र ने संसार का ध्यान भारत में अंग्रेज़ों के द्वारा किए जा रहे अत्याचार की ओर दिलाया। नई पार्टी की कनाडा, चीन, जापान आदि में शाखाएँ खोली गईं। लाला हरदयाल इसके महासचिव थे।

सशस्त्र क्रान्ति

प्रथम विश्वयुद्ध आरम्भ होने पर लाला हरदयाल ने भारत में सशस्त्र क्रान्ति को प्रोत्साहित करने के लिए क़दम उठाए। जून, 1915 ई. में जर्मनी से दो जहाज़ों में भरकर बन्दूक़ें बंगाल भेजी गईं, परन्तु मुखबिरों के सूचना पर दोनों जहाज़ जब्त कर लिए गए। हरदयाल ने भारत का पक्ष प्रचार करने के लिए स्विट्ज़रलैण्ड, तुर्की आदि देशों की भी यात्रा की। जर्मनी में उन्हें कुछ समय तक नज़रबन्द कर लिया गया था। वहाँ से वे स्वीडन चले गए, जहाँ उन्होंने अपने जीवन के 15 वर्ष बिताए।

मृत्यु

हरदयाल जी अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कहीं से सहयोग न मिलने पर शान्तिवाद का प्रचार करने लगे। इस विषय पर व्याख्यान देने के लिए व फिलाडेलफिया गए थे। 1939 ई. में वे भारत आने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने अपनी पुत्री का मुँह भी नहीं देखा था, जो उनके भारत छोड़ने के बाद पैदा हुई थी, लेकिन यह न हो सका, वे अपनी पुत्री को एक बार भी नहीं देख सके। भारत में उनके आवास की व्यवस्था हो चुकी थी, पर देश की आज़ादी का यह फ़कीर 4 मार्च, 1939 ई. को कुर्सी पर बैठा-बैठा विदेश में ही सदा के लिए पंचतत्त्व में विलीन हो गया।

भारत में घटा विदेशी निवेश, किस बात से डर रहे ग्लोबल इन्वेस्टर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही में 5.6 फीसदी घटकर 10.9 अरब डॉलर रह गया। इसकी मुख्य वजह वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं मानी जा रही हैं। पिछले साल की इसी तिमाही में यह निवेश 11.55 अरब डॉलर था।

हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान एफडीआई प्रवाह 27त्न बढ़कर 40.67 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 32 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई (जिसमें इक्विटी निवेश, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल हैं) भी 21.3त्न बढ़कर 62.48 अरब डॉलर पहुंच गया।

किन देशों से आया ज्यादा निवेश?

अप्रैल-दिसंबर 2024-25 के दौरान कुल विदेशी निवेश में 27त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो 40.67 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इस दौरान सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और यूएई जैसे देशों से निवेश बढ़ा, लेकिन मॉरीशस, जापान, यूके और जर्मनी से निवेश में गिरावट देखने को मिली। प्रमुख क्षेत्रों की बात करें तो सेवाएं, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, टेलीकॉम, ऑटोमोबाइल और केमिकल सेक्टर में निवेश बढ़ा है।

सिंगापुर- 12 अरब डॉलर (पिछले साल 7.44 अरब डॉलर)

अमेरिका- 3.73 अरब डॉलर (पिछले साल 2.83 अरब डॉलर)

नीदरलैंड्स, यूएई, साइप्रस और सायमन आइलैंड्स से भी निवेश बढ़ा।

मॉरीशस, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी से आने वाला निवेश घट गया।

किन सेक्टर्स में निवेश बढ़ा- सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) 7.22 अरब डॉलर (पिछले साल 5.18 अरब डॉलर)

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, ट्रेडिंग, टेलीकॉम, ऑटोमोबाइल और केमिकल सेक्टर

नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) 3.5 अरब डॉलर का निवेश मिला।

किन राज्यों को सबसे ज्यादा निवेश?

महाराष्ट्र एफडीआई आकर्षित करने में सबसे आगे रहा, जहां 16.65 अरब डॉलर का निवेश आया। इसके बाद गुजरात (5.56 अरब डॉलर) और कर्नाटक (4.5 अरब डॉलर) का स्थान रहा।

इन दो रेल कंपनियों को मिला बड़ा तोहफा, सरकार ने दिया नवरत्न का दर्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो रेल कंपनियों को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन और इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन को सरकार ने सोमवार 3 मार्च को नवरत्न का दर्जा दिया है। IRCTC के साथ तेजी के साथ 676.05 रुपये पर बंद हुए हैं। वहीं, IRFC के शेयर BSE में गिरावट के साथ 111.15 रुपये पर बंद हुए। पहले इन दोनों कंपनियों को मिनी रत्न का दर्जा मिला हुआ था।

डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज की तरफ से एक्स पर साझा किए गए सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, सरकार ने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन और इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के नवरत्न में अपग्रेडेशन को मंजूरी दे दी है। अब ये 25वीं और 26वीं नवरत्न कंपनियां बन गई हैं। IRCTC, रेल मिनिस्ट्री के तहत आती है। फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में इसका सालाना टर्नओवर 4270.18 करोड़ रुपये रहा। वहीं, इसका पीएटी 1,111.26 करोड़ रुपये और नेट वर्थ 3,229.97 करोड़ रुपये रही। IRFC भी रेल मिनिस्ट्री की CPSE है। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका सालाना टर्नओवर 26,644 करोड़ रुपये और पीएटी 6,412 करोड़ रुपये रहा है।इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन के शेयर पिछले 6 महीने में 28.47 पर्सेंट टूट गए हैं।

गिरावट वाले बाजार में भी उछला ये कॉफी स्टॉक, 20 फीसदी का लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैफे कॉफी डे की मालिक कंपनी Coffee Day Enterprises (CDEL) के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्राइब्यूनल ने कंपनी के खिलाफ चल रही दिवाला प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला दिया है। इसके बाद कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी का अपर सर्किट लगा है।

BSE और NSE पर कंपनी के शेयर 19.97% उछलकर क्रमशः 25.65 और 25.53 पर पहुंच गए। यह Coffee Day Enterprises के शेयरों का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है। इससे पहले लगातार चार सत्रों तक CDEL के शेयर 5त्न लोअर सर्किट में फंसे हुए थे।

बाजार में गिरावट के बीच CDEL में तेजी

जहां एक तरफ संवेदी सूचकांक और निफ्टी लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, वहीं Coffee Day Enterprises ने इस नकारात्मक बाजार के बीच शानदार प्रदर्शन किया। BSE सेंसेक्स 360.20 अंक गिरकर 72,837.90 पर पहुंच गया। NSE निफ्टी 103.05 अंक फिसलकर 22,021.65 पर कारोबार कर रहा था।

गुरुवार को NCLAT की चेन्नई पीठ ने बेंगलुरु NCLT के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत CDEL के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू की गई थी। हालांकि, इस फैसले का विस्तृत आदेश आना अभी बाकी है।

कंपनी पर कर्ज और कानूनी लड़ाई- CDEL कैफे कॉफी डे चेन की पैरेंट कंपनी है। यह पिछले कुछ साल से गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही है। कंपनी ने रिजॉर्ट्स, कंसल्टेंसी सर्विसेज और कॉफी बीन्स के व्यापार में भी हाथ आजमाया है। लेकिन फाउंडर वीजी सिद्धार्थ की जुलाई 2019 में दुखद मौत के बाद कंपनी की वित्तीय स्थिति और खराब हो गई। अगस्त 2023 में, बेंगलुरु NCLT ने IDBI ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड द्वारा दायर याचिका को स्वीकार किया था।

बाजार की मार ने इस रेलवे स्टॉक को किया बेहाल, करोड़ों रुपये का वर्क ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को मध्य प्रदेश में नया प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट की कुल वैल्यू 37,18,16,668 रुपये है। कंपनी का यह काम मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की तरफ से मिला है। इस खबर के आने के बाद सोमवार को कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

बीएसई में कंपनी के शेयर 286.65 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 289.60 रुपये के लेवल तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद फिर से रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी हो गया। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों का भाव बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में 277.20 रुपये के लेवल पर आ गया।

कंपनी को कटक डेवलपमेंट अथॉरिटी की तरफ से भी एक काम मिला है। इस काम के लिए रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को 26,37,50,145 रुपये मिलेंगे। बता दें, बीते हफ्ते कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे की तरफ से 56,65,62,204 रुपये का काम मिला है।

फरवरी में भारतीय स्टार्टअप्स को मिला फंडिंग का जबरदस्त बूस्ट, पर चिंता भी बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए फरवरी 2025 मिलाजुला महीना साबित हुआ। इस दौरान भारतीय स्टार्टअप्स ने कुल 1.65 बिलियन (लगभग 14,418 करोड़) की फंडिंग जुटाई। हालांकि, यह आंकड़ा जनवरी 2025 की $1.38 बिलियन की तुलना में 19.5% ज्यादा है, लेकिन फरवरी 2024 के $2.06 बिलियन के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई।

FY25 में अब तक जुटाए $25.4 बिलियन- Traxcn की रिपोर्ट के मुताबिक, फिस्कल ईयर 2025 (अप्रैल 2024 - फरवरी 2025) में भारतीय स्टार्टअप्स ने अब तक कुल $25.4 बिलियन की फंडिंग हासिल की, जो 2,200 से अधिक राउंड्स में फैली हुई है।

बेंगलुरु और मुंबई सबसे आगे- देश की स्टार्टअप कैपिटल बेंगलुरु ने फरवरी में $353 मिलियन की फंडिंग हासिल की, जहां औसतन एक राउंड का साइज $2 मिलियन रहा। वहीं, मुंबई के स्टार्टअप्स ने $102 मिलियन जुटाए, लेकिन यहां औसत राउंड साइज $5 मिलियन रहा, जो बेंगलुरु से काफी बड़ा था।

फरवरी में सबसे ज्यादा फंडिंग पाने वाले स्टार्टअप्स- Oxyzo (फिनटेक स्टार्टअप)- इस महीने की सबसे बड़ी डील रही। Oxyzo ने $1 बिलियन का कन्वेंशनल डेट राउंड उठाया।

daan (B2B ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म)- कंपनी ने Series G फंडिंग राउंड में 75 मिलियन जुटाए, जिसका अगुआई रूत्न क्क्रष्ट ने किया।

अन्य प्रमुख डील्स- SpotDraft, Cashfree Payments, Zeta, और Geniemode जैसे स्टार्टअप्स ने भी अच्छी फंडिंग हासिल की।

40 के शेयर में तूफानी तेजी, बाजार में भूचाल के बाद भी बना रॉकेट, 1 लाख के बन गए 1.38 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेश करना आसान लग सकता है, लेकिन शानदार रिटर्न हासिल करने के लिए धैर्य महत्वपूर्ण है। आज हम आपको जिस शेयर के बारे में बता रहे हैं, उसने अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। यह शेयर - केमिकल कंपनी अतुल लिमिटेड के हैं। अतुल लिमिटेड ने लंबी अवधि में पैसे छापने वाली मशीन बन गई है। अतुल लिमिटेड आज सोमवार को 4त्न तक चढ़कर 5,518.85 रुपये पर पहुंच गए थे।

बता दें कि अतुल लिमिटेड 16 सालों में लगभग 13,720 प्रतिशत बढ़ गया है। यह इस दौरान इसकी कीमत 40.45 प्रति शेयर से वर्तमान प्राइस तक बढ़ गया। इस अवधि के दौरान 138 गुना से अधिक रिटर्न दिया है। इस दौरान 16 साल पहले किया गया 1 लाख का निवेश अब तक बढ़कर 1.38 करोड़ हो गया होता। बाजार में गिरावट के बावजूद, अतुल लिमिटेड का शेयर 3 मार्च को 3.35 प्रतिशत अधिक कारोबार कर रहा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

होली पर बस और टैक्सी का बढ़ा किराया, भोपाल से यूपी, बिहार और महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेनें फुल

भोपाल । यदि आप होली पर यात्रा करने की सोच रहे हैं तो आपके विकल्प सीमित हैं। होली का त्योहार नजदीक आते ही ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ इस कदर बढ़ी है कि ट्रेनों ने रिजर्व टिकट देने तक से मना कर दिया है।

नई दिल्ली, मुंबई और उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में टिकट उपलब्ध नहीं हैं। अभी तक रेलवे की ओर से सिर्फ रीवा के लिए ही होली स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है, जिससे यात्री जल्द से जल्द रिजर्वेशन कराने में जुट गए हैं।भोपाल और आसपास के शहरों से अंतरराज्यीय बसों के विकल्प सीमित हैं। ऐसे में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। टैक्सियां भी नहीं मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि टैक्सी संचालकों ने भी किराया बढ़ाकर मांगना शुरू कर दिया है। इस पूरे हालात की पड़ताल करती रिपोर्ट।

पटना, गोरखपुर जाने वाली ट्रेनों के स्लीपर कोच रिग्रेटत्योहारी सीजन और गर्मियों की छुट्टियों के कारण ट्रेनों में यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। भोपाल से मुंबई, पटना, कानपुर, दिल्ली और गोरखपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों में अभी से लंबी वेटिंग चल रही है। स्थिति यह है कि ज्यादातर ट्रेनों के स्लीपर कोच में रिग्रेट की स्थिति बन चुकी है।

वहीं थर्ड एसी कोच में भी कुछ ट्रेनों में वेटिंग है, जबकि कई ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति बनी हुई हैं। ऐसे में यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में कठिनाई हो रही है और उन्हें तत्काल टिकट या अन्य विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

भोपाल से मुंबई जाने वाली पंजाब मेल में स्लीपर कोच में 22 वेटिंग आ रही है। पटना, गोरखपुर और कानपुर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति ज्यादा खराब है। पुष्पक एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस और एलटीटी गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्लीपर कोच में अभी से रिग्रेट आ गया है। वहीं थर्ड एसी में वेटिंग 30 से पार पहुंच गई है।ट्रेनों की स्थिति = 12 मार्च तक 12534 पुष्पक एक्सप्रेस - थर्ड एसी में रिग्रेट, स्लीपर में रिग्रेट।

20414 महाकाल एक्सप्रेस - थर्ड एसी में रिग्रेट, स्लीपर में रिग्रेट।

22538 कुशीनगर एक्सप्रेस - थर्ड एसी में 31 वेटिंग, स्लीपर में रिग्रेट

20103 एलटीटी गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस - थर्ड एसी में 30 वेटिंग, स्लीपर में रिग्रेट

19489 अहमदाबाद गोरखपुर एक्सप्रेस - थर्ड एसी में 16 वेटिंग, स्लीपर में रिग्रेट

12715 सचखंड एक्सप्रेस - थर्ड एसी में रिग्रेट, स्लीपर में रिग्रेट

18237 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस - थर्ड एसी में 20 वेटिंग, स्लीपर में रिग्रेट

12919 मालवा एक्सप्रेस - थर्ड एसी में 40 वेटिंग, स्लीपर में रिग्रेट

12156 भोपाल एक्सप्रेस = थर्ड एसी में 24 वेटिंग, स्लीपर में 50 वेटिंग।

12138 पंजाब मेल - थर्ड एसी में 24 वेटिंग, स्लीपर में 22 वेटिंग।

19483 अहमदाबाद बरौनी एक्सप्रेस - थर्ड एसी में रिग्रेट, स्लीपर में रिग्रेट।

भोपाल से सीमित अंतरराज्जीय बसें

भोपाल से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ के लिए सीमित निजी ट्रेवल्स एजेंसियों की बसें संचालित होती हैं। होली के चलते 70 प्रतिशत बसों की सीटें बुक हो चुकी हैं। मुंबई, पुणे, अमरावती, अकोला, अहमदाबाद, प्रयागराज मार्ग पर जाने वाली बसों में टिकट कराने के लिए लोग आईएसबीटी ट्रेवल्स एजेंसियों के कार्यालय जा रहे हैं, लेकिन अधिक किराया लिए जाने के कारण कई लोग वापस भी लौट रहे हैं।

मोबाइल एप में इन मार्गों पर 1300 से 2000 रुपये तक किराया दिख रहा है। यही हाल निजी टैक्सियों का है। 2000 से 2500 रुपये तक किराया कर दिया है, जो सामान्य दिनों से दोगुना है। ऐसे में यात्री परेशान हैं।

किन मार्गों पर कितनी अंतरराज्यीय बसें

महाराष्ट्र = भोपाल से सीधे मुंबई के लिए स्लीपर कोच, वाल्वो बसें हैं। वहीं, पुणे, नागपुर, अकोला, अमरावती के लिए अलग-अलग ट्रेवल्स एजेंसियों की करीब 100 बसें संचालित हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश = प्रयागराज मार्ग पर ही बसें संचालित हो रही हैं। अलग-अलग ट्रेवल्स एजेंसियों की बसें चल रही हैं। इसके अलावा भोपाल से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए निजी एक बस है।

बिहार = यहां के लिए भोपाल से कोई सीधी बस संचालित नहीं हो रही है। अधिक किराया देकर टैक्सी बुक करके ही लोग होली के समय जा सकते हैं। ग्गुजरात= भोपाल से सीधे अहमदाबाद के लिए निजी बसें हैं, जो इंदौर होकर जाती हैं। इस मार्ग पर दो दर्जन से अधिक बसें संचालित हो रही हैं, जिनका किराया होली के चलते दोगुना कर दिया है।

राजस्थान = शहर के हलालपुर बस स्टैंड से राजस्थान के कोटा, अजमेर, पुष्कर के लिए बसों का संचालन होता है। होली के समय ट्रेवल्स एजेंसियों ने दोगुना तक किराया कर दिया है।

सौरभ का फर्जी शपथ पत्र-सरकार से हरी झंडी, परिवहन विभाग कराएगा एफआईआर

ग्वालियर। काली कमाई के प्रतीक परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर अब फर्जी शपथ पत्र पेश करने के मामले में कभी भी एफआईआर हो सकती है। सौरभ ने पिता की जगह पर अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए आवेदन में जो शपथ पत्र व जानकारी दी गई थी, उसमें भाई की सरकारी नौकरी को छिपाया था।विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने भी इसे जांचा नहीं और आगे बढ़ा दिया।

इस तरह फर्जी शपथ पत्र के आधार पर सौरभ परिवहन विभाग में आरक्षक बन गया था।

सौरभ पर इस मामले में केस दर्ज करने को लेकर सरकार की ओर से हरी झंडी मिल गई है।

अब परिवहन विभाग की ओर से एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

बता दें कि पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा के घर छापेमारी में सोना व कैश मिला था।

इसके अलावा एक वाहन भी मेंडोरी भोपाल के जंगल में मिला था।

इसमें 54 किलो सोना व दस करोड़ के करीब कैश मिला था।

इस पूरे कांड ने प्रदेश के सरकारी महकमों से लेकर राजनीति तक में हलचल मचा दी।

एक के बाद एक कड़ियां खुलीं और अब ईडी इस मामले में जांच कर रही है।

इस बार मार्च में ही बनेंगे लू जैसे हालात, मध्य प्रदेश में 15त्न गिर जाएगा गेहूं का उत्पादन

भोपाल । मौसम का सबसे बड़ा ग्राहक किसान होता है। मौसम जब मौज में होता है, तो किसानों का मन प्रफुल्लित हो उठता है। मौसम का मिजाज बिगड़ने का सीधा प्रभाव भी सबसे पहले किसान पर ही होता है। मौसम विभाग ने मार्च में ही लू जैसे हालात बनने की चेतावनी दी है।

आशंका है कि अगर मार्च में ही इतनी गर्मी बढ़ी तो गेहूं की फसल को बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे गेहूं का उत्पादन 15 से 20 प्रतिशत तक कम हो जाएगा।अच्छी पैदावार की उम्मीदों पर फिर सकता है पानी

भोपाल के ग्राम सलैया निवासी कामता पाटीदार ने बताया कि उन्होंने विदिशा जिले के ग्राम दुलई में अपनी 50 एकड़ जमीन में गेहूं की बोवनी की है। धान की फसल लेने के कारण बोवनी जनवरी में हो सकी थी। अभी खेत में गेहूं की हरी फसल खड़ी है। अब बढ़ती धूप देखकर फसल के जल्दी पकने की आशंका है।

खजूरीकला के किसान मिश्रीलाल राजपूत ने बताया कि जनवरी में ठीक ठाक ठंड पड़ने के कारण इस बार गेहूं की अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन हरी फसल के दौरान धूप के तीखे तेवर देखकर अरमानों पर पानी फिरता दिख रहा है।

मध्य प्रदेश के किसानों ने वर्ष 2024-25 के रबी सीजन में 138.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में फसल लगाई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा गेहूं का है। सामान्य मौसम में सरकारी एजेंसियों ने इस साल 80 लाख टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया है।मध्य प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में किसानों का रुझान धान की खेती की तरफ बढ़ा है। धान की कटाई दिसंबर तक होने के कारण गेहूं की बोवनी भी देरी से हो पाती है। इस वजह से अभी गेहूं की फसल हरी है। यह समय दाना के परिपक्व होने का है। तापमान बढ़ने के कारण फसल जल्दी पकने लगेगी। इससे गेहूं का दाना पतला रह जाएगा। इससे गेहूं के उत्पादन में भी 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है।

- डॉ. जीएस कौशल, पूर्व संचालक, कृषि विभाग, भोपाल

जज्बात को मिली आवाज, माता-पिता की आशा बन गई आशी

भोपाल । लाडो ने जब सोनी परिवार में जन्म लिया तो माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसकी किलकारी सुनकर वो प्रफुल्लित तो होते थे, लेकिन मूक-बधिर होने के कारण अपनी भावनाएं आवाज के माध्यम से व्यक्त नहीं कर सकते थे।

मासूम ने जब पहली बार तुतलाते हुए बोलना शुरू किया तो इशारे की भाषा से अपने जज्बात जाहिर करने वाले दंपती के जीवन में आशा की नई किरण दिखी। प्यार से उन्होंने उसका नाम आशी रखा।माता-पिता के इशारों को आवाज से बयां कर देती हैं।

जबलपुर में होटल के बाथरूम में मिला अधेड़ का शव, एक मार्च को लिया था कमरा

जबलपुर- माढ़ोताल थाना क्षेत्र के एक होटल के शौचालय में रविवार को बिहार निवासी व्यक्ति का शव मिला है। मृतक का नाम बिहार मुजफ्फरनगर निवासी अमर कुमार सिंह (45) है। मामला संदिग्ध होने पर पुलिस जांच कर रही है।

एक मार्च को आया था जबलपुर

वह एक मार्च को जबलपुर आया था। माढ़ोताल के होटल गोविंदम गोपालम के कमरा नंबर-चार में ठहरा था। उसने रविवार को सुबह तक के लिए होटल का कमरा बुक किया था।बाथरूम में पड़ा था शव

निर्धारित समय तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो होटल कर्मी उसके कमरे के बाहर पहुंचा। दरवाजा खटखटाया और आवाज दिया। काफी देर तक जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने बाथरूम की खिड़की से झांका। जहां युवक उसे फर्श पर गिरा दिखा।

मामले की जांच जारी

होटल कर्मी अनिकेत ने तुरंत होटल संचालक साकेत नगर उखरी निवासी मदन नारायण दी?क्षित को सूचना दी। उसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव का बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जांच की जाएगी।

लोक अदालत और मध्यस्थता के संबंध में जनजागृति के लिये निकली विशाल मैराथन

बच्चों से लेकर बुजुर्गों सहित न्यायाधिपति,अधिवक्ता,अधिकारियों,नागरिकों ने लिया हिस्सा

इंदौर। इंदौर में आज रविवार को लोक अदालत और मध्यस्थता के संबंध में जनजागृति के लिये विशाल मैराथन निकाली गयी। इस विशाल मैराथन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों सहित न्यायाधिपति, अधिवक्ता, अधिकारियों, नागरिकों आदि ने हिस्सा लिया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के कैंपस में यह मैराथन सुबह पंजीयन के साथ प्रारंभ हुई। मैराथन का शुभारंभ झण्डी दिखाकर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के अध्यक्ष न्यायाधिपति श्री संजीव सचदेवा एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर के अध्यक्ष न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया ने किया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधिपति भी विशेष रूप से मौजूद थे। मैराथन में भाग लेने हेतु एक हजार 205 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। मैराथन एवं जागरूकता रैली में लगभग एक हजार 500 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रतिभागियों को कैप एवं टी-शर्ट दिये गये। मैराथन सुबह 07ः30 बजे हाई कोर्ट कैंपस से प्रारंभ होकर जंजीरवाला चौराहा, इण्डस्ट्री हाउस, पलासिया, गीता भवन चौराहा, मधु मिलन चौराहा होते हुए रीगल चौराहा से उच्च न्यायालय के गेट क्रमांक एक हाई कोर्ट कैंपस में सम्पन्न हुई।

न्यायाधिपति श्री संजीव सचदेवा द्वारा बताया गया कि आज की जागरूकता मैराथन एवं रैली में उपस्थित जन सैलाब को देखते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आप सभी मध्यस्थता के माध्यम से समाजिक रिश्तों में समरसता लाने का भरपूर प्रयास कर रहे है। आप लोगों को देखकर हमारा उत्साह बढा है । आप लोग जिस पथ पर चल रहे है वह अविस्मरणीय है। यहां उपस्थित दो साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग का हौसला देखकर मुझे यकीन है कि आप लोग मध्यस्थता के मार्ग में जरूर सफलता प्राप्त करेंगे। न्यायाधिपति द्वारा वकालत के दिनों की कहानी सुनाते हुए बताया गया कि मां-बेटे के बीच का विवाद गुरुद्वारा के समक्ष पहुंचा जहां पर बेटे को बताया गया कि मां के पैर छू लो, मां के चरणों में तो स्वर्ग होता है, बेटे के पैर छूते ही मां ने उसे गले लगाया और विवाद का वहीं निराकरण हो गया।

न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया द्वारा बताया गया कि लोक अदालत एवं मध्यस्थता के माध्यम से मामलों का निराकरण होने से विन-विन (न कोई जीता न कोई हारा) की स्थिति होती है इसमें दोनों पक्षकार की विजय होती है। इन्दौर में सामुदायिक मध्यस्थता के माध्यम से लगभग पाँच हजार से अधिक मामलों का निराकरण किया जा चुका है। जिस कारण लगभग पाँच हजार से अधिक प्रकरण न्यायालयीन प्रक्रिया से बच गए हैं। इसमें 27 समाज के 110 मध्यस्थों की अहम भूमिका है। मध्यस्थता के कार्य को न केवल प्रत्येक समुदाय द्वारा अपितु रेवन्यू विभाग की जनसुनवाई, पुलिस कमिश्नर जनसुनवाई में भी किया जा रहा है। इसके साथ ही भविष्य में नगर निगम के जनसेवा केन्द्र (कम्युनिटी हॉल) के माध्यम से भी मध्यस्थता कार्यवाही संचालित की जाएगी।

न्यायाधिपतिगण द्वारा विजेताओं को मेडल एवं प्रथम पुरस्कार 11 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7 हजार 100 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 5 हजार 100 रूपये पुरस्कार क्रमशः पुरूष वर्ग में श्री वंश चौधरी, श्री संजय मुकाती तथा श्री जयंत नास्कर तथा महिला वर्ग में सुश्री प्राची पड़ियार, सुश्री जयश्री राय तथा सुश्री पलक सोनकर को प्रदान किये गये।

मैराथन में उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के न्यायाधिपति श्री सुबोध अभ्यंकर, न्यायाधिपति श्री प्रेम नारायण सिंह,न्यायाधिपति श्री बी.के. द्विवेदी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/सचिव, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर, ओ.एस.डी. रजिस्ट्रार म.प्र. उच्च न्यायालय खण्पीठ इन्दौर, जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण,महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, नगर निगम कमिश्नर श्री शिवम वर्मा के साथ-साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण, पुलिस अधिकारीगण, उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के साथ सामुदायिक मध्यस्थ चैनल अधिवक्तागण, डॉ.मोहम्मद शमीम सेवा निवृत्त न्यायाधीश मॉस्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

इंदौर में हिंदू संगठन, करणी सेना व भक्त मंडल का आक्रोश, पुलिस को बंद करवाने पड़े पब

इंदौर। कालका माता मंदिर में भजन बंद करवाकर विवादों में फंसी पुलिस को शनिवार रात हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं और कालका माता मंदिर भक्त मंडल के विरोध का सामना करना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और विजय नगर चौराहे पर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को ही प्रदर्शन की चेतावनी दे दी थी। उनका आरोप है पुलिस मंदिरों में पौने 11 बजे भजन-कीर्तन बंद करवा देती है, जबकि पब-होटलों में देर रात पार्टियां चलती हैं। थाने के सामने बहुमंजिला इमारत में तो तेज म्यूजिक बजता रहता है। पुजारी राहुल यादव के आह्वान के बाद हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता चौराहे पर जमा हो गए।

पीथमपुर में अब तक यूनियन कार्बाइड के 6750 किलोग्राम अपशिष्ट का दहन

इंदौर। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा रिट याचिका क्रमांक 2802/2004 (आलोक प्रताप सिंह विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य) में विगत 18 फरवरी 2025 को पारित आदेशानुसार यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट का प्रथम ट्रायल रन 27 फरवरी 2025 से मेसर्स पीथमपुर इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्रा.लि. पीथमपुर, जिला धार द्वारा संचालित इंसीनेरेटर में किया जा रहा है।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि आज 02 मार्च,2025 को शाम 05 बजे तक 6750 किलोग्राम अपशिष्ट का दहन किया जा चुका है। अपशिष्ट के साथ लगभग 6750 किलोग्राम लाईम भी मिलाकर दहन किया गया है। फ्लू गैसेस की सफाई हेतु लगभग 7500 किलोग्राम लाईम, 3750 किलोग्राम एक्टीवेटेड कार्बन तथा 50 किलोग्राम सल्फर का उपयोग किया गया। अपशिष्ट को जलाने हेतु लगभग 33 हजार लीटर डीजल की खपत हो चुकी है। अपशिष्ट के दहन के दौरान चिमनी से हो रहे इमीशन की लगातार मॉनिटरींग केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लगभग 20 अधिकारी / कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। साथ ही इमीशन के लगातार मॉनिटरींग के लिये ऑनलाईन कन्टीन्युअस इमीशन मॉनिटरींग सिस्टम (ह्र्रूश्वरूस्) भी संचालित है। चिमनी से उत्सर्जन निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाये जा रहे है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि पर्टीक्यूरेट मेटर का उत्सर्जन 9.6 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, जिसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 50 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। इसी तरह सल्फर डाईऑक्साइड का उत्सर्जन 70 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी अधिकतम मानक सीमा 200 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। नाईट्रोजन ऑक्साईड्स का उत्सर्जन 116 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 400 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। कार्बन मोनो ऑक्साईड का उत्सर्जन 18 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी अधिकतम मानक सीमा 100 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। इसी प्रकार कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन 6.54 प्रतिशत हो रहा है, इसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 7 प्रतिशत है। हाईड्रोजन क्लोराईड का उत्सर्जन 3.86 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी अधिकतम मानक सीमा 50 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। हाईड्रोजन फ्लोराईड का उत्सर्जन 1.85 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 4 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है तथा टोटल आर्गेनिक कार्बन का उत्सर्जन 2 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 20 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है।

दिव्यांगजनों के लिये 7 और 8 मार्च को आयोजित होगी सुगम्य यात्रा

इन्दौर। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनेमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 7 और 8 मार्च 2025 को जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन के ÷सुगम्य यात्रा÷ का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं आयुक्त निःशक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में सुगम्य यात्रा निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमाघरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे।

स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी। यात्रा के फोटो ÷यस टू एक्सेस÷ ऐप पर अपलोड कर सकेंगे। यात्राओं पर होने वाले व्यय सीआरएस फंड या एजीपी सब स्कीम से करने के अधिकार कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

ग्रामीणजन विद्युत से सुरक्षा हेतु सावधानियाँ जरूर बरतें

इन्दौर। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानीवश विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। यह दुर्घटनाएं कई बार जान- माल का नुकसान भी कर देती हैं। इनसे बचने के लिए पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील की है। कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी न करें। क्योंकि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। जरा भी असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात् छूने का प्रयास न करें।

इस दौरान जरूरी होगा कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। संभव हो तो किसी आदमी को उस जगह, अन्य यात्रियों को चेतावनी देने के लिये में बिठा दें। किसानों को सलाह है कि वे खेतों खलिहानों में ऊँची-ऊंची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें।

ड्रग माफिया से कनेक्शन के आरोप में इंदौर में आजाद नगर थाने का सिपाही गिरफ्तार

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने आजाद नगर थाने के सिपाही लखन गुप्ता को गिरफ्तार किया है। सिपाही पर आजाद नगर क्षेत्र को नशे का गढ़ बनाने का आरोप है। सिपाही को पैडलर शाहरुख उर्फ पेट्रोल की निशानदेही पर पकड़ा गया है।

मामले की जांच तीन आईपीएस अफसरों की निगरानी में चल रही है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून) अमित सिंह के मुताबिक आईपीएस करणदीप सिंह की टीम ने 26 फरवरी को आरोपित मोहम्मद शाहनवाज उर्फ शाहरुख उर्फ पेट्रोल (आजाद नगर) और विजय पाटीदार (मंदसौर) को कस्तूरबा ग्राम रोड से दो करोड़ रुपये कीमती एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था।

पूछताछ में शाहरुख ने आजाद नगर थाने में पदस्थ सिपाही लखन का नाम कुबूला और बताया वह मंदसौर के ड्रग माफिया से सस्ती ड्रग्स खरीद कर आजाद नगर में सप्लाई करता है। उसने यह भी बताया कि सिपाही का संरक्षण प्राप्त है और उसके बदले मोटी रकम दी जाती है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और आरोपित के कथनों के आधार पर शनिवार देर रात लखन को गिरफ्तार कर हवालात में बंद कर दिया।

पूछताछ में आरोपित ने कई पुलिसकर्मियों के नाम बताए - डीसीपी के मुताबिक आजाद नगर की पैडलर मुन्नी बाई, कानी बाई, अमन बसुनिया सहित क्षेत्र के सभी पैडलर लखन से जुड़े थे। वह दबिश के पूर्व खुफिया नंबर से पैडलर को सूचित कर देता था। पैडलरों के वारंट भी तामील नहीं करवाता था। आरोपित को दो दिन के रिमांड पर लिया है। उसने पूछताछ में कई पुलिसकर्मियों के नाम बताए हैं।

केस की जांच जोन-1 के डीसीपी विनोद कुमार मीणा की देखरेख में चल रही थी। शनिवार दोपहर डीसीपी ने सीपी संतोष कुमार सिंह को साक्ष्य दिखाए और लखन की गिरफ्तारी की अनुमति ले ली। शनिवार रात कांबिंग गश्त के लिए आजाद नगर थाने में पुलिस बल एकत्र किया गया।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

आदि-अनादि पर्व-शिव केन्द्रित लोक गायन और पखावज वादन की प्रस्तुति

उज्जैन। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत आयोजित आदि-अनादि पर्व के उज्जयिनी विक्रम व्या?पार मेला मंच पर सूरज चक्रावदिया एवं समूह द्वारा गणेश वंदना और लोक गायन के साथ निर्गुण संतों की वाणी में शिव को प्रस्तुत किया।

मंच सूरज चक्रावदिया के साथ सत्यम चक्रावदिया, संतोष चक्रावदिया, विकास बनिया व रोशन कुमारिया उनके साथी कलाकार थे। इस मंच पर दूसरी प्रस्तुति खाचरोद की अनघा व्यास का पखावज वादन की थी। उन्होंसने अपने वादन में चौताल प्रस्तुत किया। जिसमें उपज अंग का भी समावेश था। साथ ही परंपरागत बोल प्रस्तार और रेला आदि का एवं छंदों का प्रयोग भी किया।

इसके साथ ही महाकाल कॉरिडोर के खुले मंच पर अभिषेक निगम एवं साथियों द्वारा शिव केन्द्रित भजनों की प्रस्तुति दी गयी। उनके साथ मंच पर ढोलक विशाल कुशवाह, वायलिन रोहित सोनवान एवं तबले पर देवेन्द्र थे। इस प्रस्तुति के सूत्रधार कवि दिनेश दिग्गज थे। दूसरी प्रस्तुति प्रयागराज के युवा शास्त्रीय गायक विवेक विशाल की थी। उन्होंने राग यमन में झपताल, जिसके बोल, चंद्रमा ललाट पर सोहे भुजंग गल, तीन ताल में, दर्शन देहों शंकर महादेव और द्रुत एकताल में आदि देव महादेव, हे पशुपति.. राग गुणकली में, अजब जोगिया आज आया आया रे.. राम भजन, हनुमान भजन, शिव भजन जिसके बोल है डम डम डमरू बजावे हमार जोगिया, अंत में होली गीतों को प्रस्तुत किया।

अनूठा रक्तदान महोत्सव, 28 महिलाओं ने किया रक्तदान

उज्जैन। जीवनदीप महिलाविंग एवं संस्था युवा उज्जैन के सयुंक्त तत्वावधान में 69 यूनिट रक्त का उज्जैन के विभिन्न क्षेत्रो के रक्त दानदाताओं ने दान किया। महिला विंग की प्रेरणा से 28 महिलाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर महिला शक्ति को एक संदेश प्रदान किया कि हमारा भी समाज में रक्तदान के प्रति अमूल्य योगदान होना चाहिए।

महिला विंग की सक्रिय सदस्य श्वेता चौपड़ा के अनुसार उज्जैन के इतिहास में शायद पहली बार किसी संस्था द्वारा 10 कपल द्वारा जोड़े से रक्तदान कर समाज को एक नई दिशा प्रदान की। कार्यक्रम में देहदान का संकल्प पत्र भरने वाले सत्यनारायण सौलंकी निवासी शिवशक्ति नगर उज्जैन व चंदनबाला आंचलिया निवासी तिरुपति एवेन्यू उज्जैन के साथ ही उज्जैन में रक्तदान के क्षेत्र में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान करने वाली उज्जैनी रक्त संचार, टीम जीवनदाता, फ्रेन्ड्स ग्रुप, बोहरा ब्लड ग्रुप संस्थाओं व लक्की ड्रा के लाभार्थी आशा सेठिया, मंजू गादिया, प्रीति दुग्गड़ का बहुमान जीवनदीप महिला विंग व संस्था युवा उज्जैन के सक्रिय सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीवनदीप व युवा के शुभचिंतक वरिष्ठजनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के अंत मे लक्की ड्रा के माध्यम से विभिन्न 50 स्वास्थ्य उपयोगी उपकरण रक्त दानदाताओं को प्रदान किये।

समाज सेवा का फल मिला सम्मान के रूप में

उज्जैन। माझी आदिवासी पंचायती समाज द्वारा गत दिवस समाज की दो सक्रिय समाजसेवियों को समाज की धर्मशाला पर सम्मानित किया गया।

माझी आदिवासी पंचायती समाज के प्रदेश अध्यक्ष राकेश वर्मा ने बताया कि लंबे समय से समाज में सतत एवं उत्कृष्ट सेवा करने पर दोनों समाजसेवी महिलाओं का सम्मान किया गया, जिसमें श्रीमती आरती पारियां को तलवार, शाल, श्रीफल एवं श्रीमती मीना रायकवार को शाल श्रीफल एवं त्रिशूल देकर सम्मानित किया गया।

वैद्य राजपूत समाज ने मनाया फाग उत्सव

उज्जैन। वैद्य राजपूत समाज समिति और महिला संगठन द्वारा समाज धर्मशाला में फाग उत्सव मनाया गया। समाज अध्यक्ष संजय सिंह हाड़ा ने बताया कि समाज की वरिष्ठ सदस्या संध्या हाड़ा द्वारा राधा कृष्णजी का पूजन करने के पश्चात सभी समाजजनों ने होली भजनों पर झूमकर फूल और गुलाल से होली खेली। फाग उत्सव के माध्यम से संदेश दिया कि होली खूबसूरत रंगो का त्योहार है इसे सूखे रंगो के साथ खेलें।

इस अवसर पूर्व महिला अध्यक्ष भारती हाड़ा, ज्योति सांखला, रेखा राठौर, ज्योति राठौर, रेणु सांखला, अनिता हाड़ा, मोनिका सावंत, आशा हाड़ा, प्रियंका सावंत, विनीता गेहलोत, दीपा राठौड़, आकांक्षा पंवार, मंजु गोड, सुनीता बडगुर्जर, निशा सांखला, प्रीति परिहार, हेमलता डोड, पूनम पंवार, मधु पंवार, सरोज सोलंकी, भारती सोलंकी, अवंतिका पंवार, टीना राठौर, पार्वती गेहलोत, सुशीला सावन, नयन राठौर, आरती राठौर, संगीता राठौर, गरिमा सावंत, मालती गेहलोत, अनुराधा हाड़ा, समाज की वरिष्ठ गीता बाई गेहलोत, रंजना सोलंकी, साथ ही शैलेन्द्र सिंह पंवार, मनीष सिंह गेहलोत, प्रदीप सिंह गोड, मुन्नालाल राठौर, प्रीतम सावंत, सतीश सांखला, लोकेन्द्र सांखला, राजेश सिंह गेहलोत, विक्रम सिंह पंवार, मुकेश सिंह सांखला, रोशन सिंह सावंत, दीपक सोलंकी, शैलेन्द्र सिह गेहलोत, श्याम सिंह

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन की बैठक हुई संपन्न गौमाता को राजमाता का दर्जा देने की मांग को लेकर होगा कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन। वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन द्वारा गौमाता को राजमाता का दर्जा देने की मांग को लेकर दो दिवसीय मार्च में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर संगठन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम को लेकर इंदौर रोड स्थित मित्तल होटल पर बैठक आयोजित की गई। उज्जैन जिला अध्यक्ष रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में प्रमुख रूप से दिल्ली से आए वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव आशु मोंगिया एवम इंदौर से प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल उपस्थित हुए। कार्यक्रम को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की गई। सभी की सहमति से बैठक में निर्णय लिया गया है कि 22 व 23 मार्च को उज्जैन में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक शुरू करने से पहले राष्ट्रीय महासचिव एवम प्रदेश अध्यक्ष ने बाबा महाकाल के दर्शन किए और आगामी कार्यक्रम को लेकर महाकाल के चरणों में अर्जी लगाई है। इसी दौरान उज्जैन आए अतिथियों का महाकाल का चित्र देकर अभिनंदन किया।

मध्य प्रदेश सरकार से गौमाता को राज्य माता का दर्जा देने की मांग की है। उज्जैन में ध्वज संत सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें देश भर के संत व महंत और विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य एवं फेडरेशन के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जो आगे की रणनीति पर चर्चा कर हिंदू समाज के कल्याण हेतु नीतिगत निर्णय लेंगे। राष्ट्रीय महासचिव ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहां की इस राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर विमर्श होगा, जिसमें प्रमुख रूप से गौमाता को राजमाता का दर्जा देने एवं गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की दिशा में ठोस रणनीति बनाई जाएगी। गौसंरक्षण को लेकर फेडरेशन की प्रतिबद्धता अटल है, और इस दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को लेकर आमंत्रण देना भी संस्था द्वारा शुरू कर दिया गया है समाजसेवी नारायण यादव को भी आमंत्रण किया गया। बैठक मे रवि जैन, विकास भूतड़ा, कालू माली, अंकुश अग्रवाल, दीपक कोठारी, पंकज प्रोवाल, मयंक परिहार, लकी लश्करी, हरीश आदि लोग उपस्थित थे।

वैदिक मंत्रो से ब्रह्म तरुणाई ने पं. भरत पंड्या को अर्पित की श्रद्धांजलि

उज्जैन। अवंतिका तीर्थ की वैदिक परम्परा के संवाहक वेद मूर्ति पंडित भरत पंड्या को वैदिक मंत्रो से संस्था ब्रह्म तरुणाई द्वारा श्री अच्युतानंद व्यायामशाला में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पं शिव शंकर भट्ट ने बताया कि संस्था द्वारा श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से पं विजय व्यास, श्रवण शर्मा, पंडित दिनेश पंड्या, अनिरुद्ध मामा, राजेश द्विवेदी, भरत शंकर जोशी, प्रदीप पंड्या, अजय व्यास, उमेश भट्ट, प्रशांत पंड्या, श्याम ठक्कर, दीपक जोशी, अभय त्रिवेदी, योगेश द्विवेदी, अजय शर्मा, रितेश त्रिवेदी, अक्षय व्यास, मनोज दुबे, मितेश पांडे, गोविंद शुक्ला, धीरेंद्र दुबे, नितिन पंड्या, अक्षय पांडे, दिनेश अवस्थी, मनीष शास्त्री, पंकज मुखिया, अभिषेक शर्मा, मनीष शाह, पवन शाह, शैलेंद्र बोहरा, ओम रामी, राजेश शर्मा, नारायण बाथवी सहित अनेक संस्था के सदस्यगण, समाजजन, इष्ट मित्र एवं श्रद्धालुजनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com